इज्जत माआब अराकीने असेम्बली,

सोलवीं बिहार कानूनसाज असेम्बली के 15वीं इजलास के इप्तिदा के मौके पर मैं आप सबका इस्तकबाल करता हूँ, खैरमकदम करता हूँ। यह एक तबील इजलास है और इसमें 22 नशिस्तें यानी बैठकें होंगी । गवर्नर साहब के खिताब पर शुक्रिया की तजवीज पर मशाविरत होगी । फिर माली साल 2020-21 का बजट पेश किया जाएगा और मुख्तलिफ महकमों के मुतालबात पर बहस होगी जिसमें उनके इल्तजामात पर तफ्सील से गौरोखौज करने के मौके आपको फराहम होंगे । कानूनसाजी के सरकारी काम के अलावा आप अराकीन के प्राइवेट अहद यानी गैर सरकारी संकल्प भी लिए जाएंगे ।

मुअज्जज अराकीन,

जम्हूरियत में आवाम हीं इक्तिदारे आला हाती है । अपने इस इख्तियार और ताकत का इस्तेमाल, आवाम अपने नुमाइंदों के जरिए से करती है । हम सभी खुशनसीब हैं कि आवाम ने अपना नुमाइंदा मुंतखब कर हमें इस ऐवान तक पहुँचाया है । जाहिरी तौर पर, आवाम की उम्मीद होती है कि हम उसके फलाहो बहबूद के लिए कानूनसाजी करें और उनके मफाद में मंसूबों की अमल-आवरी करें । इस ऐवान का हर रूक्न, चाहे वह हिज्बे इक्तिदार का हो या हिज्बे मुखालिफ से हो - उसका मकसद और निशाना एक ही होता है - सूबे की आवाम की तरक्की और कौमी मफाद ।

यह इजलास इस लिहाज से खास है कि बिहार कानूनसाजिया के इस इमारत, जिसमें हम बैठे हैं, के तामीर के सौ साल पूरे हुए हैं । 1920 में तामीरशुदा इस ऐवान की दरो दीवार, गुजिश्ता सौ सालों में बेशुमार तारीखी और यादगार लम्हों

का गवाह रही है । इसने कानूनसाजी के ऐसे ऐसे मुकाम देखे हैं जो न सिर्फ सूबे में समाजी तौर पर इन्किलाबी साबित हुए हैं, बल्कि मुख्तलिफ शोबों में तो पूरे मुल्क की रहनुमाई की है ।

दूसरी तरफ, आफ वाकिफ हैं कि जंगे आजादी के दरम्यान हुए जलियांवाला बाग के अलमनाक वाकये के भी सौ साल पूरे हुए हैं । इसने पूरे मुल्क में अंग्रेजी हुकूमत के मुखालफत के जज्बे में उबाल पैदा कर दी थी । इस खातिर, आज हीं 04.00 बजे अपराह्न यानी दोपहर बाद में सेन्ट्रल हॉल में एक प्रोग्राम का इनेकाद किया गया है, जिसमें आप सब के शिरकत के हम मुतमन्नी हैं ।

मोहतरम मेम्बरान,

मौजूदा पाँच साला असेम्बली के मियाद के आखिरी साल में हम दाखिल हो चुके हैं । इमकान है कि एक और इजलास होगा । हमारे आइनसाजों ने इस ऐवान को बाहमी मशविरे के मरकज के रूप में मनुज्जम किया है । वाजेह है कि हम जितनी हीं संजीदगी से मशविरा और बहस-मुवाहिसा करेंगे उतना हीं पुरअसर आवामी मफाद के नतीजे आएँगे । इस सूरत में, इस मुकद्दस ऐवान की वकार-ओ-रिवायात बरकरार रखने के साथ इसमें आवाम का एमताद मुश्तकिल रखने की खातिर, मैं उम्मीद करता हूँ कि इस इजलास की कार्रवाई, पुरअम्न चलाने में आप सभी अराकीन का ताऊन मुसल्सल मिलता रहेगा ।

****